संख्या-257/2025/30 के-2/22-3-2025-17(70)/2025

प्रेषक,

सूर्य प्रकाश मिश्र,
उप सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-3 लखनऊ दिनांक 09 जुलाई, 2025

विषयः- जिला कारागार, चित्रकूट में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी देवशरन पटेल पुत्र स्व0 रामलाल पटेल, निवासी जनपद-सतना, म0प्र0 की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वरिष्ठ अधीक्षक, (मु0) कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पत्र संख्या-/प्रोवेशन-3-फार्म-ए/(एम-31.12.2024), दिनांक-07 जनवरी, 2025 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार जिला कारागार, चित्रकूट में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी देवशरन पटेल पुत्र स्व0 रामलाल पटेल, जो पौशलहा, थाना-नयागांव, जनपद-सतना, म0प्र0 का निवासी है। एस0टी0एफ0 टीम को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुयी कि दस्यु ठोकिया उर्फ अम्बिका पटेल अपने गैंग के साथ सकरीबेड़ा जंगल में उपस्थित है। कम्बिंग से वापस आते समय पहले से घात लगाकर ठोकिया गैंग द्वारा स्वचलित हथियारों से ताबड़तोड़ फायरिंग करते हुए दिनांक 22-07-2007 की रात्रि को बन्दी ने 12 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर 06 कमाण्डो व 01 व्यक्ति सहित कुल 07 व्यक्तियों की हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण सं0-140/2007, 27/2008, 29/2008, 59/2012, 94/2009 के अन्तर्गत भा0द0वि0 की धारा-302/149 व सपठित धारा-12, 307/149 व 12 द0प्र0क्षे0अधि0, 147, 148 एवं 7 क्रि0ला0 अमेन्डमेन्ट एक्ट में मा0 विशेष न्यायाधीश (द0प्र0क्षे0अधि0)/अपर सत्र न्यायाधीश, बांदा के आदेश दिनांक 30.06.2022 द्वारा आजावीन कारावास से दण्डित किया गया।

पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, सतना, म0प्र0 द्वारा बन्दी द्वारा किया गया अपराध सीमित अपराध की श्रेणी में नहीं होने, भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, पूर्व में गैंग का सक्रिय सदस्य होने से पुनः अपराध कारित करने से इंकार नहीं किये जाने, जेल में और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की आख्या अंकित करते हुए बंदी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि प्रकरण में एस0टी0एफ0 टीम को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुयी कि दस्यु ठोकिया उर्फ अम्बिका पटेल अपने गैंग के साथ सकरीबेड़ा जंगल में उपस्थित है। कम्बिंग से वापस आते समय पहले से घात लगाकर ठोकिया गैंग द्वारा स्वचलित हथियारों से ताबड़तोड़ फायरिंग करते हुए दिनांक 22-07-2007 की रात्रि को बन्दी ने 12 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर 06 कमाण्डो व 01 व्यक्ति सहित कुल 07 व्यक्तियों की हत्या करने का जघन्य अपराध कारित किया गया है। पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा स्थानीय स्तर पर वर्तमान परिस्थितियों का सम्यक् परीक्षण कर मा० उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में समयपूर्व रिहाई का विरोध किया गया है। प्रकरण से सम्बन्धित ऐसा कोई तथ्य परिलक्षित नहीं है, जिसके आधार पर जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट की आख्या/संस्तुति के प्रतिकूल अवधारणा बनायी जा सके। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गंभीरता एवं जघन्यता के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी देवशरन पटेल पुत्र स्व0 रामलाल पटेल को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

3- अतः उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि जिला कारागार, चित्रकूट में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी देवशरन पटेल (बंदी संख्या-202/2022) पुत्र स्व0 रामलाल पटेल, निवासी जनपद-सतना, म0प्र0 के फार्म-ए/लाईसेंस पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक् विचारोपरान्त उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति राज्यपाल महोदया द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतद्द्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नकः यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,
सूर्य प्रकाश मिश्र
उप सचिव।

संख्या व दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- निजी सचिव, मा0 मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।

2- निजी सचिव, मा0 राज्य मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 राज्यमंत्री जी के सूचनार्थ।

3- जिला मजिस्ट्रेट, सतना, म0प्र0।

4- अधीक्षक, जिला कारागार, चित्रकूट।

5- नोडल अधिकारी/अधीक्षक, जिला कारागार, गाजियाबाद को मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली में योजित विशेष अनुज्ञा याचिका (क्रिमि0) संख्या-529/2021 सोनाधर बनाम छत्तीसगढ़ राज्य तथा सुओ मोटो रिट पिटीशन (क्रिमि0) संख्या-04/2021 पॉलिसी स्ट्रेट्जी फार ग्रान्ट ऑफ बेल में पारित आदेश दिनांक 10.09.2024 के सन्दर्भ में।

6- कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2, उ0प्र0 शासन।

7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
अनीस अख्तर अंसारी
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

शासनादेश संख्या-257/2025/30 के-2/22-3-2025-17(70)/2025

दिनांक 09 जुलाई, 2025 का संलग्नक

सरकार के आदेश

जिला कारागार, चित्रकूट में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी देवशरन पटेल पुत्र स्व0 रामलाल पटेल, जो पौशलहा, थाना-नयागांव, जनपद-सतना, म0प्र0 का निवासी है। एस0टी0एफ0 टीम को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुयी कि दस्यु ठोकिया उर्फ अम्बिका पटेल अपने गैंग के साथ सकरीबेड़ा जंगल में उपस्थित है। कम्बिंग से वापस आते समय पहले से घात लगाकर ठोकिया गैंग द्वारा स्वचलित हथियारों से ताबड़तोड़ फायरिंग करते हुए दिनांक 22-07-2007 की रात्रि को बन्दी ने 12 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर 06 कमाण्डो व 01 व्यक्ति सहित कुल 07 व्यक्तियों की हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण सं0-140/2007, 27/2008, 29/2008, 59/2012, 94/2009 के अन्तर्गत भा0द0वि0 की धारा-302/149 व सपठित धारा-12, 307/149 व 12 द0प्र0क्षे0अधि0, 147, 148 एवं 7 क्रि0ला0 अमेन्डमेन्ट एक्ट में मा0 विशेष न्यायाधीश (द0प्र0क्षे0अधि0)/अपर सत्र न्यायाधीश, बांदा के आदेश दिनांक 30.06.2022 द्वारा आजावीन कारावास से दण्डित किया गया।

पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, सतना, म0प्र0 द्वारा बन्दी द्वारा किया गया अपराध सीमित अपराध की श्रेणी में नहीं होने, भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, पूर्व में गैंग का सक्रिय सदस्य होने से पुनः अपराध कारित करने से इंकार नहीं किये जाने, जेल में और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की आख्या अंकित करते हुए बंदी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि प्रकरण में एस0टी0एफ0 टीम को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुयी कि दस्यु ठोकिया उर्फ अम्बिका पटेल अपने गैंग के साथ सकरीबेड़ा जंगल में उपस्थित है। कम्बिंग से वापस आते समय पहले से घात लगाकर ठोकिया गैंग द्वारा स्वचलित हथियारों से ताबड़तोड़ फायरिंग करते हुए दिनांक 22-07-2007 की रात्रि को बन्दी ने 12 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर 06 कमाण्डो व 01 व्यक्ति सहित कुल 07 व्यक्तियों की हत्या करने का जघन्य अपराध कारित किया गया है। पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा स्थानीय स्तर पर वर्तमान परिस्थितियों का सम्यक् परीक्षण कर मा० उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में समयपूर्व रिहाई का विरोध किया गया है। प्रकरण से सम्बन्धित ऐसा कोई तथ्य परिलक्षित नहीं है, जिसके आधार पर जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट की आख्या/संस्तुति के प्रतिकूल अवधारणा बनायी जा सके। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गंभीरता एवं जघन्यता के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी देवशरन पटेल पुत्र स्व0 रामलाल पटेल को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त राज्यपाल महोदया द्वारा बंदी की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार कर दी गयी है।

सूर्य प्रकाश मिश्र
उप सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in